

ज. भारत माझी देशों को अनावृत्त वीक्षण 'मोट' के नाम के लिए  
लोचिनाम के राजा पितापुत्र II ने 1876 ई. में  
भाषीयन जिहा मोट अंतराष्ट्रीय संस्था की स्थापना  
में यूरोपीय देशों के साथ भाषी विवादों का शांतिपूर्ण  
रास्ते ।

- फ्रांसीसी ने जाँको की समस्या तथा अन्य विवादों के निपटारे के लिए माँगे की। यह नवंबर 1894 ई. से जून 1895 ई. तक चला। इसमें जाँको ने सभी यूरोपीय राज्यों को आपा-भाँट नोंपाबद्ध की व्यवस्था के लिए सम्मेलन संचालन के लिए एक भाषा की स्थापना हुई।
- जर्मन सम्मेलन में भूक्रीडा के शैक्षणिक व औद्योगिक विकास को ध्यान में रखा गया था, लेकिन यूरोपीय राज्यों ने भूक्रीडा को आपा-भाँट में शामिल करने के कई भयों के कारण लेनीन को हटा दिया नहीं हुआ।

विभिन्न यूरोपीय देशों के भूदृष्टि में वर्णन

श्रौत  $\Rightarrow$  अल्पीत्या, मोरम्, धूमिल, भाइवी नाल भादि  
इत्येवं  $\Rightarrow$  मिल, मरु, की, ...

इलेक्ट्रॉन → मिल, ध्वनि, दृश्य, गंध, स्वाद, रस, शक्ति, ताप, प्रकाश, चुंबकत्व, विद्युत, आदि

અમંતી = ઔસલન, હોગાલેડું, પુનાપડું, ગાંધી કોલ

कुल्लुवाल = कुल्लुवाल, पूवी मोजाविक